२४.२.१८ पत्रावली पेश हुई। बार-बार आवाज दिलवाई गई, परन्तु वादी की तरफ से पैरवी हेतु कोई उपस्थित नहीं है। कोर्ट का समय समाप्त होने को है अतः वादी की अदम हाजरी एवं अदम पैरवी में वा० पत्र २७ नि जा खारिज किया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर दर्ज नम्बर से जमा हो। आदेश खुले न्यायालय में सुनाया गया।

Scanned by CamScanner